प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी के पूर्व छात्र उत्कृष्ट शोध के लिए 'इनयास' राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 से सम्मानित

आईआईटी मंडी से 2020 में पीएच.डी. पूरा कर चुके डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा को कार्बन मटीरियल्स के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थिसीसी के लिए मिला यह पुरस्कार

मंडी, 2 मार्च 2021 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के पूर्व छात्र डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा को उत्कृष्ट शोध के लिए भारतीय राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक अकादेमी (आईएनवाईएएस) के राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया। आईआईटी मंडी से 2020 में पीएच.डी. पूरा कर चुके डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा को कार्बोनेजेनिक नैनोपार्टिकल की रसायनिक संरचना और कार्य संबंध और सुपर रिजाल्यूशन लाइट माइक्रोस्कोपी में इनके उपयोग की बुनियादी समझ में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़ के प्रो. चयन नंदी के मार्गदर्शन में डॉ. वर्मा ने उपयोग के अनुकूल सबसे आधुनिक सिंगल मोलेक्यूल सुपर रिजाल्यूशन नैनोस्कोपिक तकनीक का भारत में पहली बार विकास किया और प्रदर्शित किया कि जीवित कोशिका के सेल्युलर डायनामिक्स का नैनोमीटर रिजाल्यूशन तक अध्ययन करने में कितना आसान है कार्बन नैनोमटीरिल्स का फ्लुरेसेंट प्रोब के रूप में उपयोग।

आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. अजीत के. चतुर्वेदी ने डॉ. नवनीत चंद्र वर्मा की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ कहा, ''आईआईटी मंडी के सभी लोगों के लिए यह गौरव का क्षण है कि डॉ. नवनीत की थिसीस को सुप्रतिष्ठित इनयास राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 में कार्बन मटीरियल्स के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ थिसीस का पुरस्कार दिया गया। यह पुरस्कार आईआईटी मंडी के युवा छात्रों को सभी कठिनाइयों और उत्कृष्टता को दूर करने के लिए प्रेरित करेगा।''

भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादेमी (आईएनवाईएएस) का गठन दिसंबर 2014 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादेमी (आईएनएसए) परिषद ने किया। यह भारत का पहला मान्यता प्राप्त युवा वैज्ञानिक अकादेमी है जिसका उद्देश्य विज्ञान शिक्षा और राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर युवा वैज्ञानिकों को बढ़ावा देना है। इनयास नई पीढ़ी के वैज्ञानिकों के बीच विज्ञान के विषयों पर विचारों के आदान–प्रदान, विमर्श शुरू, सहयोग करने का प्लैटफार्म है और यह युवा शोधकर्ताओं को उनकी बात देश के वरिष्ठ शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं तक पहुंचाने का अवसर देता है।

कार्बन मटीरियल्स के क्षेत्र में पूरे देश से इनयास कमिटी को प्राप्त कुल 42 इंट्रियों में सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थिसीस पुरस्कार प्राप्त करने की बधाई देते हुए आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़ के प्रो. चयन नंदी ने कहा, ''डॉ. वर्मा जैसे शोध एवं विकास को जीवन समर्पित करने वाले व्यक्ति का मेरा छात्र होना गौरव की बात है। वे नए उपकरण के विकास और फैब्रिकेशन में मेधावी छात्र रहे हैं और नैनोमटीरियल को लेकर उनके विचार बहुत इनोवेटिव हैं। मैं उन्हें सुनहरे भविष्य की हार्दिक शुभकामना देता हूं।''

वर्तमान में डॉ. वर्मा इजरायल स्थित इजरायल प्रौद्योगिकी संस्थान हायफा में पोस्ट–डॉक्टोरल फेलो हैं। वे प्रोटीन फिंगर प्रिंटिंग लिक्विड बायोप्सी और भावी चिकित्सा उपयोग के लिए सुपर रिजाल्यूशन माइक्रोस्कोपी और सिंगल मोलेक्यूल मेजरमेंट आधारित रोबस्ट सेंसिटिव फास्ट और हाई थ्रुपुट एडवांस्ड डायग्नासिस डिवाइस पर काम कर रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादेमी का परिचय

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादेमी की स्थापना जनवरी 1935 में की गई। इसका उद्देश्य भारत में विज्ञान को बढ़ावा देना और मानवता और राष्ट्रीय कल्याण कार्यों में वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग सुनिश्चित करना है। अकादेमी ने इस उद्देश्य से कई पहल की है जैसे नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ साइंस मीटिंग, टेक्निकल सिम्पोजियम, विज्ञान संपर्क शिविर, दूरस्थ व्याख्यान, कॅरियर जागरूकता कार्यशाला, सामयिक विषयों पर वेबिनार और अन्य। विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए इनयास युवा वैज्ञानिकों को देश और दुनिया से जोड़ने में सक्रिय रहा है।

###

आईआईटी मंडी का परिचय

जुलाई 2009 में 97 विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ आज आईआईटी मंडी में 125 फैकल्टी, 1,655 विद्यार्थी हैं जो संस्थान के विभिन्न अंडरग्रैजुएट, पोस्टग्रैजुएट और रिसर्च प्रोग्राम में नामांकित हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या 1141 हो गई है। इस पूर्णतः आवासीय संस्थान में 1.4 लाख वर्गमीटर का निर्माण पूरा हो गया है। इसमें 88 कमरों का गेस्ट हउस, 750 सीटर ऑडिटोरियम, कैम्पस स्कूल, खेल परिसर और अस्पताल भी है।

आईआईटी मंडी में चार एकेडमिक स्कूल और तीन प्रमुख शोध केंद्र हैं। ये स्कूल हैं : स्कूल ऑफ कम्प्युटिंग एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग; स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़; स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग और स्कूल ऑफ ह्युमैनीटीज़ एवं सोशल साइंसेज़। ये केंद्र हैं : एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी : 60 करोड़ रु. की लागत से तैयार), सेंटर फॉर डिज़ाइन एण्ड फैब्रिकेशन ऑफ इलैक्ट्रिकल डिवाइसेज़ (सी4डीएफईडी; 50 करोड़ के फैब्रिकेशन टूल हैं) और बायोएक्स सेंटर (15 करोड़ के शोध उपकरणों के साथ)। 2017 में जैवतकनीकी विभाग, भारत सरकार ने आईआईटी मंडी को 10 करोड़ रु. की विशिष्ट फार्मरजोन प्रोजेक्ट के लिए चुना।

उद्योग जगत की बढ़ती जरूरतों और विद्यार्थियों की महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए आईआईटी मंडी ने पिछले 10 वर्षों में 7 बी टेक, 7 एम. टेक., 5 एम.एससी., 4 पीएच.डी. और 1 एमए प्रोग्राम शुरू किए हैं। संस्थान का प्रोजेक्ट–प्रधान बी. टेक. पाठ्यक्रम 4 साल के डिज़ाइन और इनोवेशन स्ट्रीम पर केंद्रित है। अगस्त 2019 से आईआईटी मंडी ने डाटा साइंस एवं इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स और बायोइंजीनियरिंग में डुअल डिग्री के 3 नए और यूनिक बी. टेक. प्रोग्राम शुरू किए।

स्थापना से लेकर अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक लगभग 120 करोड़ रु. के 275 से अधिक शोध–विकास प्रोजेक्ट पर कार्यरत रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संस्थान ने 11 अंतर्राष्ट्रीय और 12 राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से सहमति करार किए हैं।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर है। इसने सन् 2017 से अब तक 75 स्टार्ट–अप्स की मदद की है। कैटलिस्ट ने बाहरी सहयोग के तौर विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से 24 करोरु. राशि की राशि हासिल की है। आईआईटी मंडी का एक अन्य खास प्रोग्राम 'इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली' (ईडब्ल्यूओके) है जिसका मकसद महिलाओं को ग्रामीण स्तर के कारोबार शुरू करने के लिए कौशल प्रशिक्षण देना है।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत भारतीय इंजीनियरिंग संस्थान श्रेणी की रैंकिंग–2020 में आईआईटी मंडी को 31वां रैंक दिया गया है।

Twitter: @iit_mandi
Facebook: IIT Mandi
Website :https://www.iitmandi.ac.in

Media contact for IIT Mandi:
IIT Mandi Media Cell: mediacell@iitmandi.ac.in/ **Landline: 01905267832**
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com
Akhil Vaidya – Footprint Global Communications
Cell: 9882102818 / Email ID: akhil.vaidya@footprintglobal.com.